सुकान्त सोम

मैथिली साहित्यक प्रगतिशील रचनाकारमे सुकान्त सोम अग्रगण्य छथि। हिनक जन्म दरभंगा जिलाक तरौनी गाममे 1950 ई. मे भेलनि। साहित्य लेखन आ पत्रकारिता दिस हिनक झुकाव छात्रावस्थेसँ छनि। पत्रकारक रूपमे ई देशक विभिन्न समाचार-पत्रक सम्पादन-कार्यसँ सम्बद्ध रहलाह अछि। हिन्दी समाचार-पत्र 'हिन्दुस्तान' क मुजफ्फरपुर संस्करणक लगभग दस वर्षसँ सम्पादक छथि।

सुकान्त सोमकेँ जन सामान्य शक्ति-सामर्थ्य पर अटूट विश्वास छनि। ओकर हेम क्षेमक अनवरत चिन्ता छनि। यैह विश्वास आ चिन्ता हिनका रचनाकार रूपमे सक्रिय करैत अछि। कविता हो कि कथा, निबन्ध हो कि समीक्षा - दीन-हीन किसान-मजदूरक आँखिसँ स्थिति आ समस्याकेँ देखब सुकान्त सोमक विशेषता थिक। ई लिखने त बहुत छथि, मुदा पुस्तक रूपमे प्रकाशित एकेटा कविता-संग्रह छनि- 'निज सम्वाददाता द्वारा'। 'भोरक प्रतीक्षा मे' सेहो हिनक किछु कविता संकलित अछि।

काव्य सन्दर्भ-निज सम्वाददाता द्वारासँ संकलित 'हाथ' मेहनतिया मजदूरक कविता थिक। ओकर ताकतिक कविता थिक। एहि कवितामे श्रमिक आ श्रम -शक्तिक अनेक रूप अछि। माटि कोड़ि अन्न उपजा कऽ जीवनाधार दैत किसानसँ सारिलकेँ दू फाँक करैत मजदूर धरिक उदाहरण द्वारा कवि एहि वर्गक लोकक उपयोगिता ओ अनिवार्यताकेँ देखार कयलनि अछि।

हाथ

यैह हाथ तऽ काज करैत अछि
यैह हाथ माटि कोड़ि फसिलक विकास करैत अछि
यैह हाथ जनैत अछि
कतेक उर्वर होइत छै माटि
घाम आ श्रमक सम्बन्ध
यैह हाथ काज करैत अछि ।

यैह हाथ काज करैत अछि
यैह हाथ जनैत अछि की अन्तर छै ठाम-कुठामक पानिमे
समुद्रक नोनछराइन पानि आ
गंगाक शीतल पवित्र जल
खेतक फसिल मे कते लाभप्रद होइछ
यैह हाथ जनैत अछि।

यैह हाथ काज करैत अछि
यैह हाथ गाछ कटैत सारिल सँ टकराइत अछि
यैह हाथ जनैत अछि
पाँखुरक ताकति आ कुरहड़िक चोट
सारिलकेँ कतेक ठामसँ तोड़ैत छै
यैह हाथ कुरहड़ि आ हाथक सम्बन्ध जनैत अछि
यैह हाथ काज करैत अछि।

शब्दार्थ

उर्वर : उपजाउ

नोनछराइन : कनेक-कनेक नोन ओ क्षारक स्वादवाला

सारिल : सीसो आदि काठमे अधिक घनत्व बला ललौन अंश जे बीचमे रहैत अछि, सार भाग

पाँखुर : कान्ह आ बाँहिक मिलन स्थान

कुरहड़ि : लोहसँ बनल औजार जाहिसँ काठ काटल जाइत अछि।

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

(i) 'हाथ' कविताक रचयिता छथि।

(क) सुकान्त सोम (ख) विद्यानाथ झा 'विदित'

(ग) उदयचन्द्र झा 'विनोद' (घ) बुद्धिनाथ मिश्र

(i) सुकान्त सोमक रचना छनि -

(क) रौदी अछि (ख) हाथ

(ग) बच्चा (घ) वन्दना

2. रिक्त स्थानक पूर्ति करू :

(i) यैह ..... काज करैत अछि

(ii) यैह हाथ ..... अछि

(iii) सारिलकेँ ..... ठामसँ तोड़ैत छै

(iv) गंगाक ..... शीतल पवित्र जल

3. लघूत्तरीय प्रश्न -

(i) हाथ की करैत अछि ?

(ii) हाथसँ कयल गेल कोनो दू काजक नाम लिखू।

(iii) घाम आ श्रमक सम्बन्ध कोना व्यक्त कयल गेल अछि।

(iv) कुरहड़ि ककरा कहल जाइत अछि ?

(v) सारिलकेँ काठसँ कोना फराक कयल जाइत अछि ?

4. दीर्घोत्तरीय प्रश्न-

(i) 'हाथ' कविताक सारांश लिखू।

(ii) पठित कवितामे कवि श्रम आ श्रमिकक महत्त्व पर विचार कयलनि अछि, कोना आ किएक?

(iii) 'हाथ' कविताक वर्णन करू।

(iv) हाथक महत्ता पर प्रकाश दिअ।

(v) निम्न शब्दक अर्थ लिखू : - घाम, ठाम-कुठाम, सारिल, गाछ।

5. निम्न पाँती सभक सप्रसंग व्याख्या करू :

(i) यैह हाथ तऽ काज करैत अछि

यैह हाथ माटि कोड़ि फसिलक विकास करैत अछि

यैह हाथ जनैत अछि

कतेक उर्वर होइत छै माटि

(ii) यैह हाथ काज करैत अछि

यैह हाथ गाछ कटैत सारिल सँ टकराइत अछि

यैह हाथ जनैत अछि

पाँखुरक ताकति आ कुरहड़िक चोट

गतिविधि -

1. 'हाथ' कविताकेँ सुस्पष्ट स्वरमे शिक्षककेँ सुनाउ।

2. मनुक्ख जन्म लैत अछि मात्र खयबाक लेल नहि, काज करबाक लेल सेहो- एहि पर एकटा निबन्ध लिखू।

3. हाथसँ कोन-कोन काजक एहि कवितामे उल्लेख कयल गेल अछि- छात्र आपसमे चर्चा करथि।
4. पठित पाठसँ पाँचटा संज्ञा शब्द चुनि विशेषण बनाउ।
5. पठित पाठमे आयल पाँच तद्भव शब्दक सूची बनाउ एवं वाक्यमे प्रयोग करू।

निर्देश -

1. शिक्षक छात्रकेँ शारीरिक श्रमक महत्वसँ परिचित कराबथि।
2. शिक्षक हाथक पर्यायवाची शब्दक उल्लेख देथि।
3. श्रमिक पर रचित आन कविक रचनासँ शिक्षक छात्रकेँ परिचित